परिशिष्ट–1

01. हिन्दी

1. **हिन्दी साहित्य का इतिहास :**

हिन्दी साहित्य का इतिहास–दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ, हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक केन्द्र, संस्थाएँ एवं पत्र–पत्रिकाएँ, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन एवं नामकरण।

2. **आदिकालीन हिन्दी काव्य :**

रासो साहित्य, जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो, विद्यापति और उनकी पदावली, आरंभिक गद्य तथा लौकिक साहित्य।

3. **मध्यकालीन हिन्दी काव्य :**

(क) भक्ति काल : भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, प्रमुख निर्गुण एवं सगुण सम्प्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार सन्त, प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य।

हिन्दी सन्त और सूफी काव्य तथा राम और कृष्ण काव्य का सामान्य परिचय।

(i) संतकाव्य : कवि और कृतियाँ – कबीरदास, नानक, दादू और रैदास।

(ii) सूफीकाव्य : कवि और कृतियाँ – मुल्ला दाऊद (चंदायन), कुतुबन (मृगावती), मंझन (मधुमालती) और मलिक मुहम्मद जायसी (पद्मावत)।

(iii) रामकाव्य : कवि और कृतियाँ – तुलसीदास।

(iv) कृष्णकाव्य : कवि और कृतियाँ – सूरदास, नन्ददास, मीराबाई और रसखान।

(ख) रीतिकाल : सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रीतिकाव्य के मूल स्रोत, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिकाल के प्रमुख कवि और कृतियाँ –केशवदास, मतिराम, भूषण, देव, पद्माकर, बिहारी, घनानन्द।

4. **आधुनिक हिन्दी काव्य :**

SARKARIRESULT.COM

भारतेन्दु युग और उसके प्रमुख कवि और कृतियाँ। द्विवेदी युग और उसके प्रमुख कवि : हरिऔध, मैथिलीशरण गुप्त।

छायावाद और उसके प्रमुख कवि तथा कृतियाँ : प्रसाद, निराला, पन्त, महादेवी वर्मा और तारा पाण्डे।

छायावादोत्तर हिन्दी काव्य : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता तथा समकालीन हिन्दी कविता।

प्रगतिवाद : नागार्जुन, शिवमंगल सिंह सुमन, चन्द्रकुँवर बर्त्वाल।

प्रयोगवाद : अज्ञेय, मुक्तिबोध।

नई कविता : धर्मवीर भारती, रघुवीर सहाय।

समकालीन कविता : धूमिल, लीलाधर जगूड़ी, विनोद कुमार शुक्ल, मंगलेश डबराल, वीरेन डंगवाल।

5. <u>हिन्दी कथा एवं नाट्य–साहित्य :</u>

(क) हिन्दी उपन्यास : प्रेमचन्द–पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग।

प्रेमचन्द के परवर्ती प्रमुख उपन्यासकार : अज्ञेय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, यशपाल, इलाचन्द्र जोशी, रमाप्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी', शैलेश मटियानी, विद्यासागर नौटियाल, भीष्म साहनी, कृष्णा सोबती, मन्नू भण्डारी, निर्मल वर्मा, श्रीलाल शुक्ल, पंकज बिष्ट।

(ख) हिन्दी कहानी : बीसवीं शताब्दी की हिन्दी कहानी और प्रमुख कहानी–आंदोलन।

कहानीकार : प्रेमचन्द, जैनेन्द्र कुमार, मनोहरश्याम जोशी, बटरोही, मोहन थपलियाल, मृणाल पाण्डे।

(ग) हिन्दी नाटक, एकांकी और रंगमंच।

नाटककार – भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, गोविन्दबल्लभ पंत, लक्ष्मीनाराण मिश्र, रामकुमार वर्मा, भुवनेश्वर, जगदीश चन्द्र माथुर, लक्ष्मीनाराण लाल, मोहन राकेश, मोहन उप्रेती, गोविन्द चातक, बी0 एम0 शाह।

6. <u>हिन्दी निबन्ध एवं इतर गद्य विधाएँ :</u>

SARKARIRESULT.COM

निबन्धकार : रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल, विद्यानिवास मिश्र, रमेशचन्द्र शाह।

इतर गद्यविधाएँ : रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा–वृतान्त, आत्मकथा, जीवनी, रिपोर्ताज, फीचर।

7. <u>भारतीय काव्यशास्त्र :</u>

काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य सम्प्रदाय (रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य), भरत मुनि का रस सूत्र और उसके प्रमुख व्याख्याकार, रस के अवयव, साधारणीकरण, शब्द शक्तियाँ। अलंकार : यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रांतिमान, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति, विभावना, विशेषोक्ति, दृष्टांत, उदाहरण, अर्थान्तरन्यास, असंगति, विरोधाभास।

काव्यगुण, काव्यदोष।

8. <u>पाश्चात्य काव्य शास्त्र एवं हिन्दी आलोचना :</u>

(क) पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्लेटो और अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त तथा अरस्तू का विरेचन सिद्धान्त।

लोंजाइनस : काव्य में उदात्ततत्व

क्रोचे : अभिव्यंजनावाद

आई0 ए0 रिचर्ड्स– संप्रेषण सिद्धान्त

(ख) हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक – रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे बाजपेयी, रामविलास शर्मा, डॉ0 नगेन्द्र, डॉ0 नामवर सिंह।

(ग) प्रमुख वाद : स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर–आधुनिकता।

9. <u>भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा :</u>

भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, स्वन–विज्ञान का स्वरूप और उसकी शाखाएँ।

स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनिक परिवर्तन : कारण और दिशाएँ, हिन्दी शब्दों का वर्गीकरण (तत्सम्, तद्भव, देशज, विदेशी, रूढ़, यौगिक, योगरूढ़, विकारी और अविकारी, वाचक, लक्षक और व्यंजक), अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ।

SARKARIRESULT.COM

अपभ्रंश (अवहट्ट सहित) और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध, हिन्दी की उपभाषाएँ और बोलियाँ : वर्गीकरण, क्षेत्र। नागरी लिपि का विकास और मानकीकरण, हिन्दी भाषा के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा, संचार माध्यम और हिन्दी।

10. लोक–साहित्य और संस्कृति :

'लोक' एवं 'संस्कृति' शब्दों की व्युत्पत्ति तथा अर्थ, लोक–साहित्य की अवधारणा और उसके विविध रूप – लोक–कथा, लोक–गाथा, लोक–नाट्य एवं लोक–गीत।

उत्तराखण्ड के देवी–देवताओं एवं विभिन्न पर्वों तथा उत्सवों से सम्बन्धित लोक–कथाओं, लोक–गाथाओं, लोक–नाट्यों एवं लोक–गीतों का सामान्य परिचय।

लोकोक्ति का अर्थ एवं स्वरूप, लोकोक्ति की रचना–प्रक्रिया, लोक–साहित्य में लोकोक्तियों का महत्त्व एवं उपादेयता।

उत्तराखण्ड की लोक भाषाओं (कुमाउनी, गढ़वाली) में लिखित साहित्य का सामान्य परिचय।

प्रमुख कवि : कुमाउनी : लोकरत्न पन्त 'गुमानी' ('गुमानी ग्रंथावली') चारूचंद्र पांडे (अवाल'), शेरादा 'अनपढ़' ('मेरी लटिपटि') : गढ़वाली : भजन सिंह 'सिंह' ('सिंहनाद'), जीवानंद श्रीयाल ('मुंडनिखूल'), कन्हैयालाल डंडरियाल ('नागरजा')

––0––

SARKARIRESULT.COM